तैयारी | उद्योग बंदी से बचाने को यूपी सरकार बना रही रणनीति, कई निर्यातकों के आर्डर रद्द होने से उद्योगों पर संकट

ब्रिटेन, लैटिन अमेरिका के बाजार खंगालेगा यूपी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। ट्रंप टैरिफ का सामना करने के लिए यूपी अपने स्तर पर भी तैयारी कर रहा है। यूपी की निगाह अब उन देशों पर है जहां भारतीय मुद्रा से ज्यादा कीमत वाली मुद्रा चलन में हो। इसमें इटली, फ्रांस, ब्रिटेन व स्पेन पर खास निगाह है। ब्रिटेन में खास संभावनाएं हैं, जहां उसने भारत के लिए अब टैरिफ जीरो कर दिया है। इन देशों में यूपी के चर्म उत्पाद, कपड़ा-परिधान व हस्तशिल्प का निर्यात अब शिफ्ट हो सकता है।

अधिकारियों का मानना है कि आस्ट्रेलिया के बाजार भी निर्यातकों को बढ़ावा दिला सकते हैं। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका (मैक्सिको, ब्राजील, अर्जेंटीना, क्यूबा, कोलंबिया, पेरू आदि अन्य देश) में भी यूपी के उत्पादों की खपत की अच्छी संभावनाएं हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि मलेशिया और आसियान देशों में निर्यात का विस्तार करना होगा, जहां लाइफस्टाइल और उपयोगी वस्तुओं की खपत तेज़ी से बढ़ रही है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट वाले देशों में संयुक्त उपक्रमों को बढ़ावा देना चाहिए।

2024-25
में यूपी से अमेरिका को 35,545 करोड़ रुपये का निर्यात

2023-24
में 32,490 करोड़ रुपये का निर्यात यूपी से अमेरिका के लिए हुआ

सरकार निर्यातकों के लिए रणनीति बना रही

यूपी सरकार की चिंता है कि मांग कम होने से उत्पादन काफी घटेगा। ऐसे में उद्यमी अपने अपने यहां श्रमिकों की छटनी करने पर मजबूर होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों संग इस संकट से कारोबार को उबारने को बैठक की थी। इसमें सहमति बनी की उद्यमियों को कुछ राहत दी जाए ताकि वह अपने यहां श्रमिकों की छंटनी न करें।

फरफार्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव योजना लागू करें : हसन

पब्लिक पॉलिसी स्ट्रैटेजिस्ट एवं एसोचैम के सह-अध्यक्ष हसन याकुब का कहना है कि अमेरिका पर निर्भर निर्यातकों के लिए फरफार्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) जैसी योजना लागू की जाए। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन को बड़े वैश्विक खरीदारों को यूपी के ट्रेड फेयर में आमंत्रित करना चाहिए।